प्रो. साकेत कुशवाहा
कुलपति
Prof. Saket Kushwaha
Vice Chancellor

राजीव गाँधी विश्वविद्यालय
केंद्रीय विश्वविद्यालय
रोनोहिल्स,दोइमुख- ७९१ ११२
अरुणाचल प्रदेश, भारत
Rajiv Gandhi University
Central University
Rono Hills, Doimukh – 791 112
Arunachal Pradesh, India

August 8, 2022

Condolence Message for Prof. Tamo Mibang

The sad demise of Prof. Tamo Mibang, the former Vice Chancellor of Rajiv Gandhi University is an irreparable loss for the entire Rajiv Gandhi University family. To lose such a memorable person as Prof. Mibang is a matter of great sorrow. He was a charismatic individual who left an indelible impression upon the minds of everyone who had the good fortune of coming in contact with him. I express my sincere sorrow and anguish on the demise of Prof. Mibang who was one of the stalwart academicians of North-east India. The time that I have spent with Prof. Mibang in Rajiv Gandhi University will always remain memorable for me. As I remember…it seems as if it were just yesterday when on the 4th of October 2018 I joined the University as the Vice Chancellor and looked at the Incumbency Board of Vice Chancellors of the University. There I could see the name of Prof. Tamo Mibang occurring a number of times. On that very moment the thought struck my mind that there is something very special in this name and I must meet such a personality who has taken care or the University as its guardian for such a long period of time. Then I had a discussion with Prof. Tomo Riba who was the Registrar at that time and on the third day I had a meeting with Prof. Mibang. During the meeting we discussed for about an hour on various topics and an intimate relationship developed between us. The thought that had struck my mind on seeing his name on the first day of my joining Rajiv Gandhi University was now confirmed; I could understand that Prof. Mibang was completely dedicated to the University.

Prof. Mibang had served the University in various capacities and was one of the founding pillars of Research in the Tribal culture of Arunachal Pradesh. A renowned name in tribal studies, the 'Arunachal Institute of Tribal Studies' in Rajiv Gandhi University is the result of his incessant efforts towards the advancement of research in social and anthropological aspects. His contribution to the institution, the society and the nation at large has been immense.

The dedication of Prof. Mibang in the field of academics in Arunachal Pradesh and the University family has found for him a glorious seat among the most memorable persons. The owner of a simple and soft personality, his demise has created a vacuum in the world of academia and the society that cannot be fulfilled in any form. His contribution to Rajiv Gandhi University and the state of Arunachal Pradesh will always shine gloriously and will be a beacon light in inspiring others towards dedicating themselves to the service of the society and the nation.

I extend my deepest compassion to the bereaved family of Prof. Mibang. May God provide them with enough strength to bear this great loss. I assure the family members of Prof. Mibang that the Rajiv Gandhi University fraternity stands firmly by them in this great moment of sorrow and we join our sincere prayers for the peaceful journey of the departed soul into its rightful sojourn in Eternity.

I offer my tearful regards and heartfelt condolences to Prof. Mibang.

Saket Kushwaha

दूरभाष:/Tel: +91-360-2277252 (Off.) 2277261 (आवास/Resi.) +91-9936451995 (M), फैक्स:/Fax: +91-360-2277317
ईमेल:/E-mail: saket.kushwaha@rgu.ac.in/vc@rgu.ac.in वेबसाइट:/Website: www.rgu.ac.in

प्रो. साकेत कुशवाहा
कुलपति
Prof. Saket Kushwaha
Vice Chancellor

राजीव गाँधी विश्वविद्यालय
केंद्रीय विश्वविद्यालय
रोनोहिल्स,दोइमुख- ७९१ ११२
अरुणाचल प्रदेश, भारत
Rajiv Gandhi University
Central University
Rono Hills, Doimukh – 791 112
Arunachal Pradesh, India

August 8,2022

संदेश

राजीव गाँधी विश्वविद्यालय के पूर्व कुलपति प्रोफेसर तामो मिबांग का निधन पूरे विश्वविद्यालय परिवार के लिये अपूरणीय क्षति है। उन जैसे खास व्यक्ति को खोना अत्यंत दुखद है, एक अविस्मरणीय व्यक्तित्व, जिसे कभी नहीं भुलाया जा सकेगा। हार्दिक संवेदना, गहरे दुख और पीड़ा के साथ मैं पूर्वोत्तर भारत के अकादमिक दिग्गज प्रो. तामो मिबांग के निधन पर शोक व्यक्त करता हूँ। इस विश्वविद्यालय के मेरे अभीतक के कार्यकाल में प्रो मिबांग के साथ मेरा जितना समय बीता वो अविस्मरणीय रहा है। मुझे याद है..सच कहूँ तो ऐसा लगता है जैसे अभी कल की ही बात है, 4th अक्टूबर 2018 को जिस समय मैंने यहाँ कुलपति पद पर ऑफिस ज्वाइन किया तो ऑफिस में मैंने कुलपतियों के कार्यकाल के बोर्ड को देखा। उसमें प्रो मिबांग का कई बार नाम दर्ज दिखा। मेरे मन में उसी क्षण आया कि इस नाम में कुछ खास है और ऐसे व्यक्ति से मुझे मिलना चाहिए जिसने लंबे समय तक अभिभावक के रूप में इस विश्वविद्यालय को संभाला है। फिर मैंने प्रो. तोमो रिबा, जो उस समय रजिस्ट्रार पद पर थे, से इस विषय पर चर्चा की और तीसरे दिन मेरी मुलाक़ात प्रो मिबांग से हुई। हमलोगों ने एक घंटे विभिन्न विषयों पर बात की और हमदोनों के बीच उसी समय से एक आत्मीय नाता बन गया। पहले दिन जो उनका नाम बोर्ड पर देखकर मेरे मन में उनके प्रति विचार आया था वो उनसे मिलकर सच साबित हो गया था, प्रो. मिबांग का व्यक्तित्व पूरी तरह से विश्वविद्यालय के लिये समर्पित था।

प्रो. मिबांग ने विभिन्न क्षमताओं में विश्वविद्यालय की सेवा की थी और वे अरुणाचल प्रदेश की जनजातीय संस्कृति में अनुसंधान के संस्थापक स्तंभों में से एक थे। उत्तर-पूर्व भारत के आदिवासी समाज अध्ययन में वे एक प्रसिद्ध नाम थे। राजीव गाँधी विश्वविद्यालय के 'अरुणाचल जनजातीय अध्ययन संस्थान' की स्थापना उनके सामाजिक और मानवशास्त्रीय पहलुओं के अनुसंधान की उन्नति की दिशा में किये गये निरंतर प्रयासों व कार्य का परिणाम है। संस्था, समाज और राष्ट्र के लिए उनका योगदान बहुत बड़ा व अमूल्य निधि है।

अरुणाचल प्रदेश के शिक्षा जगत और विश्वविद्यालय परिवार के लिये प्रो. मिबांग का समर्पण उन्हें हमेशा यादगार व्यक्तित्व की श्रेणी में रखेगा। सीधे, सरल व सौम्य व्यवहार के धनी, अरुणाचल क्षेत्र की पहचान, उन जैसे महान व्यक्ति के निधन ने शिक्षा जगत और समाज में एक खालीपन पैदा कर

दूरभाष:/Tel: +91-360-2277252 (Off.) 2277261 (आवास/Resi.) +91-9936451995 (M), फैक्स:/Fax: +91-360-2277317
ईमेल:/E-mail: saket.kushwaha@rgu.ac.in/vc@rgu.ac.in वेबसाइट:/Website: www.rgu.ac.in

दिया है जिसे किसी भी रूप में पूरा नहीं किया जा सकता है। राजीव गाँधी विश्वविद्यालय और अरुणाचल प्रदेश राज्य में उनका योगदान हमेशा शानदार तरीके से याद किया जायेगा जो समाज और राष्ट्र की सेवा के लिए खुद को समर्पित करने की दिशा में दूसरों को प्रेरित करने में एक प्रकाशस्तंभ होगा।

मेरी पूरी संवेदना प्रो मिबांग के परिवार के साथ है। ईश्वर उन्हें यह दुख सहने की शक्ति प्रदान करें। मेरा उनको यही आश्वासन है कि विश्वविद्यालय हमेशा एक परिवार की तरह आपसबके साथ है।

राजीव गाँधी विश्वविद्यालय परिवार प्रो. मिबांग के शोक संतप्त परिवार के साथ मजबूती से खड़ा है। मैं दिवंगत आत्मा की शांतिपूर्ण यात्रा के लिए अपनी ईमानदारी से प्रार्थना करता हूँ जो अनंत काल में उसके सही प्रवास के लिये है।

प्रो. मिबांग को मेरे अश्रुपूरित नमन के साथ भावपूर्ण श्रद्धांजलि समर्पित है।

साकेत कुशवाहा